न्यायमूर्ति श्री नगेन्द्रकुमार जैन

आपका जन्म 20 अक्टूबर 1942 को श्री जगदीश प्रसाद जी जैन के यहॉ अलवर में हुआ । अधिवक्ता पिता के साथ 1950 में जयपुर आ गए।

आप स्कूल के समय से ही अच्छे ऑलराउण्ड खिलाडी रहे । खासतौर पर बैडमिंटन में 1955 में जूनियर्स में Nationals में Top Seeded रहे । उस समय के देश – विदेश के Top खिलाडियों के साथ 1955 – 1968 तक खेलें। महाराजा कॉलेज, राजस्थान कॉलेज की तरफ से खेले। राजस्थान विश्वविद्यालय व जोधपुर विश्वविद्यालय की तरफ से अन्तरविश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में 4 बार खेले। आपने राजस्थान स्टेट की तरफ से **14** साल बैडमिटंन की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया व टीम के कप्तान रहे। आप बैडमिटंन के स्टेट लेवल एम्पायर रहे। एशियन गेम्स, दिल्ली 1982 में कॉमन वेल्थ यूथ गेम्स, पूना 2008–2009 व ऑल इग्लैण्ड बैडमिनटन चैम्पियनशिप, इग्लैण्ड 2009 में टीम के साथ बतौर ऑफिशियल आब्जरवर रहे।

जोधपुर विश्वविद्यालय से 1968 में एल.एल.बी. करने के बाद 26–1–1968 में राजस्थान Bar Council में Enrolled हुए। 1970–71 से **19** वर्ष तक Bar Council के सदस्य व 1985–86 में अध्यक्ष रहे। पार्लियामेन्ट की एस्टीमेट कमेटी के रूबरू ज्यूडिशियल रिफार्म्स के लिए चर्चा की । जोधपुर विश्वविद्यालय में 1975–77 तक विधि के पार्ट टाईम लेक्चरार रहे।

1984 से 1986 बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया, दिल्ली Executive Council के Member रहे।

1987 से 1990 तक Bar Council of India के सदस्य रहे । Bar Council of India Trust के सदस्य रहे। इसके अलावा National Law School University, Bangalore के Executive Council के सदस्य रहे। फिर As a Judge, चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (**Chancellor**) द्वारा **Academic Council** में **1993 to 1996** तक मनोनीत सदस्य रहें।

20 जुलाई 1990 को राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर में जज नियुक्त हुए। उसके बाद 1997 में ट्रांर्सफर पर म्रदास हाईकोर्ट में जज रहे। 5 वर्ष मुख्य न्यायाधीश रहे। जिसमें 2 वर्ष मद्रास हाई कोर्ट में व 3 वर्ष कर्नाटक हाईकोर्ट में रहें। स्टेट लीगल कमेटी के अध्यक्ष व पेटर्न रहे ।

मद्रास हाईकोर्ट, चैन्नई में न्यायाधीश पद पर रहते हुए जिला न्यायाधीश के अधीन SGOT के अन्तर्गत विभिन्न 97 ट्रस्टों में प्रशासनिक व ज्यूडिशियल कार्य के लिए अध्यक्ष मनोनीत हुए व करीब 3 वर्ष 6 माह कार्य किया।

चीफ जस्टिसेज कान्फरेन्स में भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधिपति द्वारा जस्टिस जैन बतौर अध्यक्ष व अन्य दो चीफ जस्टिसों को जस्टिस मलिमथ कमेटी की एरियर्स पर रिपोर्ट व जस्टिस जगन्नाथ शेट्टी की फर्स्ट नेशनल

पे कमीशन रिपोर्ट को अवलोकन व निरक्षण कर उसकी रिपोर्ट पेश करने को कहा गया। जो बाद में चीफ जस्टिसेज व सी.एम कान्फरेन्स में रखी गई।

क्रिमिनल लॉ अमेन्डमेड एक्ट के तहत बतौर प्रजाईडिंग ऑफिसर 1998– 99 में काम किया । कोयम्बटूर ब्लास्ट केस की इनक्वायरी भी की।

Chief Justice Conference में नेपाल, कोलम्बो, सिंगापुर भी गये। कर्नाटक के मुख्य न्यायाधीश के पद से 19–10–2004 को रिटायर हुए।

हिमाचल प्रदेश में राज्य मानवाधिकार आयोग, हिमाचल प्रदेश, शिमला में अध्यक्ष पद पर नवम्बर, 2004 से 15–7–2005 तक आसीन रहे व साथ लोकायुक्त रहे।

दिनांक 16–7–2005 से 15–7–2010 तक राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग में अध्यक्ष पद पर 5 वर्ष कार्यरत रहे।

आपने 1984 में यू. एस. ए., यूरोप एवं कनाडा व अन्य देशों की यात्रा की। फिर 2003 से 2008 तक नेपाल, सिलोन, बैंकाक, हॉगकॉग, सिगांपुर, इग्लैण्ड आदि देशों की यात्राएं की।

आपने विभिन्न कानूनी व अन्य विषयों पर 32 लघु पुस्तिकाएँ लिखी व विभिन्न विश्वविद्यालयों के विधि छात्र–छात्राओं से इंटर्नशिप में 71 प्रोजेक्ट्स बनवाए । यह सभी सामग्री बेवसाइट www.justicenagendrakjain.com and www.rshrc.nic.in पर है। इसके साथ विभिन्न क्षेत्र व विषयों पर लगभग 30 कान्फ्रेन्स, सेमीनार, वर्कशाप आर्गनाइज किए व लगभग 500 कान्फ्रेन्स, सेमीनार, वर्कशॉप व 10 इन्टरनेशनल कान्फ्रेन्स में भाग लिया।

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी की प्रबन्धकारिणी कमेटी के दिनांक 28–1–1997 को सदस्य बने। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी की प्रबन्धकारिणी कमेटी के दिनांक 26–02–2011 से अध्यक्ष पद पर सुशोभित है। कई धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक व स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य, ट्रस्टी व संरक्षक हैं । बैडमिंटन एसोसियेशन व खेल से जुड़े है। बेडमिंटन एकडमी एस.एम.एस. स्टेडियम में युवा खिलाडियों को कोचिंग भी दिलवाते हैं ।